अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–10 अंक–295 | R.N.I.- UPHIN/2012/45127 | लखनऊ बुधवार 23 फरवरी 2022 | पृष्ठ – 4 | मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

निजी कालोनियों में ईडब्ल्यूएस/एलआईजी भवनों के लिए मिल सकेगा लोन

अवध की आवाज

लखनऊ। शहर में निजी विकासकर्ताओं द्वारा विकसित की जा रही कालोनियों में अब दुर्बल आय वर्ग के लोगों को ईडब्ल्यूएस/एल आई जी मकान खरीदने के लिए आर्थिक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके लिए उन्हें बैंकों से लोन मिल सकेगा। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने मंगलवार को विभिन्न विकास कर्ताओं तथा बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करके इसके लिए रास्ता बनाया। बैठक में शामिल बैंक प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि आवास एवं शहरी नियोजन अनुभाग के शासनादेश के कारण ईडब्ल्यूएस/एल आई जी के आवंटित भवनों पर लोन दिया जाना सम्भव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि अगर ईडब्ल्यूएस/एल आई जी भवनों के आवंटन नियमावली में प्रधानमंत्री आवास योजना के विक्रय के प्राविधान लागू कर दिये जाये तो इन भवनों पर भी लोन दिया जाना सम्भव हो जायेगा। इस पर उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने वित्त नियंत्रक को निर्देशित किया कि इस सम्बन्ध में शासन को पत्र प्रेषित करके अड़चन को दूर किया जाये। बैठक में वित्त नियंत्रक दीपक सिंह और मुख्य नगर नियोजक नितिन मित्तल समेत अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

माफिया अतीक के बेटे समेत सात अपराधियों पर पच्चीस–पच्चीस हजार का इनाम घोषित

प्रयागराज (वेब वार्ता)। गुजरात के अहमदाबाद जेल में बन्द माफिया पूर्व सांसद अतीक अहमद के बेटे समेत सात अपराधियों पर पुलिस ने आपरेशन शिकंजा अभियान के तहत पच्चीस–पच्चीस का इनाम घोषित किया। फरार चल रहे सातों अपराधियों के खिलाफ करेली थाने में जानलेवा हमला समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।कुख्यात अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन शिकंजा के तहत पच्चीस–पच्चीस हजार का इनाम घोषित किया। उक्त सभी कुख्यात अपराधी 31 दिसम्बर वर्ष 2021 से फरार है। इस इनाम की राशि को कुख्यात अपराधियों के मुठभेड़ के दौरान मारे जाने पर जांच के बाद पुलिस टीम को दी जा सके।

अयोध्या में योगी की हुंकार: सत्ता में लौटे तो एक हाथ में विकास की छड़ी दूसरे में होगी बुलडोजर की स्टेयरिंग

अवध की आवाज कृष्ण कुमार

मिल्कीपुर अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा में बाबा गोरखनाथ भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में बुलडोजर वाले बाबा की जनसभा में उमड़ा जनसैलाब, जय श्रीराम के नारो से गूंज उठा प्रांगण।

अयोध्या क्षेत्र के अंतर्गत मिल्कीपुर विधान सभा में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित किया।जनसभा में उमड़ा जन सैलाब जय श्री राम के नारे से गूंज उठा। मिल्कीपुर विधान सभा में कहा कि पांचवें चरण में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार का शुभारंभ मैं अयोध्या के मिल्कीपुर विधानसभा से कर रहा हूं। मिल्कीपुर की धरती से सूर्यवंश की राजधानी एवं अयोध्या व सरयू मैया को प्रणाम करता हूं।भारतीय जनता पार्टी की पहचान रामराज्य की परिकल्पना व अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण से होती है। मेरे एक हाथ में विकास की छड़ी और दूसरे हाथ में बुलडोजर की स्टेयरिंग है। मैं 5 साल पहले भी मिल्कीपुर आया था, कहा था राम लला हम लायेंगे मंदिर वहीं बनाएंगे, क्या मंदिर निर्माण सपा, बसपा और कांग्रेस करा सकती थीं और कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर पर ताला लगा दिया था। सपा के कार्यकाल में राम भक्तों पर गोलियां चली थीं। सैकड़ों राम भक्त मारे गए थे किंतु आज पूरा विश्व अयोध्या की ओर देख रहा है। अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 2020 को भगवान श्री राम के भव्य मंदिर का शिलान्यास कर दिया है।मैने जो 5 वर्ष में वादा किया था उसको करके मैंने दिखा दिया है। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के पांच नंबर चौराहा इनायत नगर स्थित मैदान पर मिल्कीपुर भाजपा प्रत्याशी गोरखनाथ बाबा के लिए आयोजित चुनावी जनसभा में सीएम ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार में डबल डोज राशन मिल रहा है। उन्होंने कहा की 5 साल में केवल अयोध्या में 48 हजार लोगों के आवास बने हैं। समूचे प्रदेश में 43 लाख 50 हजार लोगों को आवास देने का काम भाजपा सरकार ने किया है। विकास की योजनाओं में भेदभाव नहीं है। किसानों को कर्ज माफ करके उन्हें किसान सम्मान निधि लगातार प्रदान की जा रही है। प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि सपा के सत्ता में आने पर सपा में आतंकवादियों का बोलबाला होता है और सपा का हाथ आतंकवादियों के साथ होता है।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में डीएम ने छात्र–छात्राओं को दिलाई शपथ

अवध की आवाज विनोद कुमार

गोंडा। मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारीधजिला अधिकारी डॉ0 उज्ज्वल कुमार ने सीडीओ शशांक त्रिपाठी के साथ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम स्वीप अंतर्गत कई कार्यक्रमों मतदाताओं में प्रतिभाग किया। मतदाता जागरूकता को लेकर जिले में ब्लाकों, विद्यालयों एवं अन्य संस्थानों तथा स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा मतदाता जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। नगर के रवि चिल्ड्रन एकेडमी इंटर कॉलेज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने बतौर मुख्य अतिथि छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुसार जिला प्रशासन के लोग घर–घर पर्चियां बांट रहे हैं। मैं यही कहना चाहूंगा कि 27 फरवरी को ज्यादा से ज्यादा मतदान हो, इसके लिए जो भी छात्र–छात्राएं मतदाता हैं वे स्वयं तो वोट दें ही, इसके अलावा अपने अभिभावकों एवं मित्रों को भी वोट के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि बूथ लेवल अधिकारी मतदाताओं की सूची लेकर बूथ केंद्रों पर बैठे

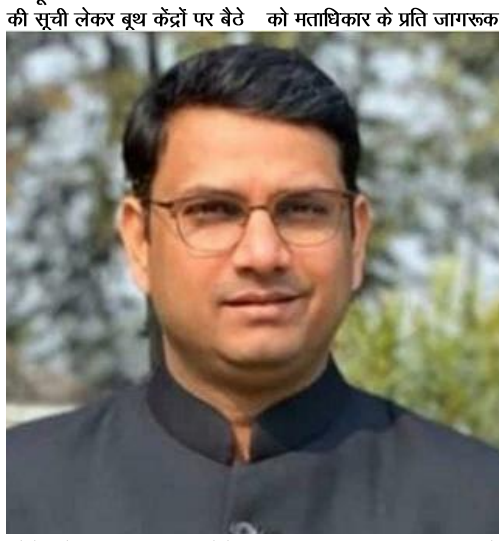

रहेंगे जो आपकी मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि भयमुक्त वातावरण में चुनाव सम्पन्न हो इसके लिए हर मतदान केन्द्र पर भारी फोर्स लगी रहेगी जिससे आप लोग कोई परेशानी न हो। निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान का समय एक घन्टा बढ़ाकर सहूलियत दी गई है। मुख्य विकास अधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कहा कि इस बार जनपद में हर मतदाता से वोट डलवाना है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि जिनके अभिभावक या रिश्तेदार अथवा मित्रगण जिले के बाहर हैं उन्हें 27 फरवरी को वोट डालने के लिए फोन करके बुलाएं तथा उनसे वोट डलवाएं। कालेज में जिलाधिकारी द्वारा छात्र–छात्राओं को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई। जीजीआईसी में आयोजित कार्यक्रम में भी छात्राओं को मताधिकार के प्रति जागरूक किया गया तथा अपील की गई वे घर जाकर अपने घर के हर मतदाता को वोट डालने के लिए आगामी 27 फरवरी को जरूर भेजेंगी। मतदाता जागरूकता को लेकर टामसन गेट से बाइक रैली भी निकाली गई जिसे डीएम, एसपी व सीडीओ ने संयुक्त रूप से झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान नगर मजिस्ट्रेट अर्पित गुप्ता, सीओ सिटी लक्ष्मीकांत गौतम, सीएमओ डा0 आरएस केसरी, जिला विद्यालय निरीक्षकश्रभारी अधिकारी स्वीप राकेश कुमार, बीएसए आरपी सिंह, कोतवाल नगर पंकज सिंह सहित शिक्षकगण अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पति के अवैध संबधों के शक में पत्नी ने लगाई फांसी

औरैया(वेब वार्ता)। फफूंद थाना क्षेत्र में पति के दूसरी महिला से अवैध संबंध के शक में पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पति के भांजे की शादी में गए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचायतनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए कार्रवाई शुरू कर दी गई। दिबियापुर थाना क्षेत्र के गांव अबाबर निवासी तीस वर्षीय नीतू की शादी 17 अप्रैल 2008 में हिन्दू रीति रिवाज से फफूंद थाना क्षेत्र के गांव पसईपुर केशमपुर निवासी मनोज कुमार के साथ की थी। शादी के बाद से सब कुछ सही चलता रहा। पति मनोज कुमार गुजरात में रहकर प्राइवेट नौकरी करता है। पत्नी नीतू को शक था कि पति किसी दूरी महिला से बात करता है जिसको लेकर दोनों में आये दिन झगड़ा होता रहता था। पति मनोज 19 फरवरी को गुजरात से गांव आया था। 21 फरवरी दिन सोमवार को मनोज के भांजे की शादी इटावा जनपद के अहेरीपुर गांव में थी। सोमवार को मनोज ने पत्नी से शादी में जाने के लिए कहा, तो पत्नी नीतू ने मना कर दिया। पति दोपहर में अपने दो बच्चों सिंघम व यश को लेकर भांजे की शादी में चला गया तथा पत्नी व एक वर्षीय पुत्र रिषभ को घर पर छोड़ गया। रात्रि में किसी समय पत्नी ने घर में बने कमरे में दीवार में लगे कुंडे से साड़ी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर आस पड़ोस के लोग जाग गये तब पड़ोसियों ने अंदर जाकर देखा तो वह फांसी पर लटकी थी। पड़ोसियों ने पति मनोज कुमार को सूचना दी।

जौनपुर में अधेड़ महिला की गला रेत कर हत्या

जौनपुर (वेब वार्ता)। सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के भरेठी गांव में मंगलवार एक अधेड़ महिला की गला रेत कर हत्या कर दी गई। उसका शव एक ट्यूबवेल पंप के पास पड़ा मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरु कर दी है। अपर पुलिस अधीक्षक नगर संजय कुमार ने बताया कि मंगलवार सुबह जब ग्रामीण टहलने के लिए घर से बाहर निकले तो भरेठी गांव में लगे ट्यूबवेल पंप के पास 45 वर्षीय विधवा महिला का धड़ से अलग शव देखा। इस घटना को लेकर गांव में दहशत का माहौल बन गया और भारी संख्या में भीड़ इकट्ठा हो गयी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी देवानंद मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर मामले की छानबीन में जुट गये। इस बीच एएसपी सिटी संजय कुमार और एसपी ग्रामीण शैलेंद्र कुमार ने फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंचकर घटनास्थल की जांच की। ग्रामीणों ने मृतक महिला की शिनाख्त कर उसका नाम शीला राजभर बताया है। हत्या किन कारणों से हुई है अभी इस पर परिवार वालों के द्वारा ही कोई को जानकारी नहीं दी गई। लेकिन अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। एएसपी ने बताया कि प्रथमदृष्टया पुलिस छानबीन में और लोगों से बातचीत के बाद मामला पारिवारिक और जमीनी विवाद का सामने आ रहा है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

घण्टों इन्तजार करती रही जनता नही आये माननीय

अवध की आवाज विनोद कुमार

गोंडा। मतदान की तारीख जैसे जैसे करीब आ रही है प्रत्याशियों का जनसम्पर्क और वादा करने का सिलसिला इन दिनों चरम पर है, आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी राजेश तिवारी के समर्थन में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिशोदिया की जन सभा प्रस्तावित स्थान धानेपुर राम लीला मैदान होना तय था अकस्मात उनका दौरा रद्द होने की वजह से पब्लिक और पुलिस दोनों हलकान रही। एक तरफ जहां भाजपा और सपा की लड़ाई आमने सामने है तो वही दूसरी तरफ अन्य पार्टियों

के कंडिडेट भी मतदाताओं को रिझाने की पूरी कोशिश कर रहे है। इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी से चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी राजेश तिवारी भी जनसम्पर्क के दौरान क्षेत्र की जनता से बड़े बड़े वादे करते नजर आ रहे हैं, पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा है क्षेत्र की जनता को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़के इत्यादि की व्यवस्था बहुत ही दयनीय है। क्षेत्र की जनता अगर अपना मत दे कर उन्हें विधान सभा भेजती है तो मेहनौन को आदर्श विधान सभा बनाने में कोई कसर नही छोड़ेंगे। उन्होंने भाजपा और उससे पूर्व की सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा है की जनता को स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, जैसी मूल भूल सुविधाएं नही मिल रही है, यहां के जिम्मेदारों ने केवल अपना विकास किया है। जनता बदलाव चाहती है जो इस बार देखने को मिलेगा।

सम्पादकीय

आखिर नसबंदी की जिम्मेवारी भी महिलाओं पर क्यों?

(पुरुष नसबंदी की कम लागत और सुरक्षित प्रक्रिया के बावजूद, भारत की एक तिहाई से अधिक यौन सक्रिय आबादी में महिला नसबंदी को क्यों अपनाया जा रहा है? पुरुष नसबंदी का विकल्प नगण्य–सा है। हमारे राष्ट्रीय परिवार और स्वास्थ्य सर्वेक्षण में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि वर्तमान में 15–49 वर्ष की आयु की विवाहित महिलाओं के बीच गर्भनिरोधक के उपयोग में 10 प्रतिशत से अधिक की वशद्धि हुई है। महिलाओं के प्रजनन अधिकारों और गर्भनिरोधक विकल्पों को नियंत्रित करने के लिए पितश्सत्तात्मक दृष्टिकोण जारी हैं।)

प्रजनन अधिकार कानूनी और स्वास्थ्य से संबंधित स्वतंत्रताएं हैं जो दुनिया भर के देशों में अलग–अलग हैं। महिलाओं के प्रजनन अधिकारों में कानूनी और सुरक्षित गर्भपात का अधिकारय जन्म नियंत्रण का अधिकारय जबरन नसबंदी और गर्भनिरोधक से मुक्तिय अच्छी गुणवत्ता वाली प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त करने का अधिकारय और मुफ्त और सूचित प्रजनन के लिए शिक्षा और पहुंच का अधिकार शामिल है। हालाँकि, हमारे देश में महिलाओं के यौन और प्रजनन अधिकारों की मान्यता अभी भी नगण्य है। महिलाओं के लिए एक सख्त एजेंसी की कमी सबसे बड़ी बाधा है। प्रजनन और यौन अधिकारों की अनुपस्थिति का महिलाओं की शिक्षा, आय और सुरक्षा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिससे वे 'अपना भविष्य खुद बनाने में असमर्थ' हो जाती हैं।

वर्तमान में 15–49 वर्ष की आयु की विवाहित महिलाओं में गर्भनिरोधक के उपयोग में 10 प्रतिशत से अधिक की वशद्धि हुई है यानी 2015–16 में 53.5 फीसदी से 2019–20 में 66.7 फीसदी हो गई है। कंडोम के उपयोग में उल्लेखनीय उछाल देखा गया है, जो 5.6 फीसदी से बढ़कर 9.5 फीसदी हो गया। भारत में परिवार नियोजन की अवधारणा की स्थापना के कई वर्षों बाद भी केवल महिला नसबंदी सबसे लोकप्रिय विकल्प बनी हुई है। पुरुष नसबंदी का विकल्प नगण्य–सा है। कम उम्र में शादी, जल्दी बच्चे पैदा करने का दबाव, परिवार के भीतर निर्णय लेने की शक्ति की कमी, शारीरिक हिंसा और यौन हिंसा और पारिवारिक संबंधों में जबरदस्ती के कारण शिक्षा कम होती है और बदले में महिलाओं की आय कम होती है। अपने प्रजनन अधिकारों पर कमी के कारण लगातार बच्चे पैदा करने से वह ज्यादातर एक गशहिणी बन गई है, जिससे वह वित्त के लिए जीवनसाथी पर निर्भर हो गई है। पितश्सत्तात्मक मानसिकता और बच्चों के बीच उचित दूरी के बिना अपेक्षित संख्या में बेटे पैदा होने तक बच्चे को जन्म देना उसे शारीरिक रूप से कमजोर बनाता है और उसके जीवन को खतरे में डालता है। समाज में बेवजह ये डर कि शिक्षित महिलाओं को पति और उसके परिवार द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता है, उसके शिक्षा अधिकारों को कही न कही कम कर देता है। पुरुष नसबंदी की कम लागत और सुरक्षित प्रक्रिया के बावजूद, भारत की एक तिहाई से अधिक यौन सक्रिय आबादी के साथ महिला नसबंदी सबसे व्यापक प्रसार विधि है। भारत में प्रजनन अधिकारों को बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या, लिंग चयन और मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता के मुद्दों जैसे चुनिंदा मुद्दों के संदर्भ में ही समझा जाता है। महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों, उनके पोषण की स्थिति, कम उम्र में शादी और बच्चे पैदा करने के जोखिम पर ध्यान देना चिंता का संवेदनशील मुद्दा है और अगर महिलाओं की स्थिति में सुधार करना है तो इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। साथ ही बड़े स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से जमीनी स्तर तक स्वास्थ्य देखभाल की जानकारी उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। भारत में महिलाओं के प्रजनन अधिकारों के प्रचार और संरक्षण को संबोधित करने और पहचानने के लिए उचित कानूनी ढांचे की आवश्यकता है।

महिलाओं के लिए उपयुक्त, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं और संबंधित सेवाओं तक पहुंच की आवश्यकता है। स्वास्थ्य कार्यक्रमों में प्रजनन स्वास्थ्य सहित महिलाओं के स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना चाहिए। महिलाओं के प्रजनन अधिकारों की रक्षा और बढ़ावा देने और महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य के सभी मुद्दों की देखभाल करने के लिए प्रजनन अधिकार अधिनियम के रूप में कानून बने चाहे वह चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने या जागरूकता पैदा करने के संबंध में हो या महिलाओं से संबंधित स्वास्थ्य नीतियां और कार्यक्रम का। इसलिए, यह समय की मांग है कि नीति और व्यापक स्तर पर यौन और प्रजनन स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाए। बेहतर और स्वस्थ प्रजनन व्यवहार को बढ़ावा देना जो लड़कियों और युवाओं को जीवन रक्षक यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता को पूरा करें। सार्वजनिक बहस और मांगों में इन मुद्दों को लाने के लिए नागरिक समाज की जिम्मेदारी है।

पिछले कुछ वर्षों में, महिलाओं ने लैंगिक अंतर को कम करने में उल्लेखनीय प्रगति के साथ कई क्षेत्रों में काफी प्रगति की है। फिर भी महिलाओं और लड़कियों की तस्करी, मातश स्वास्थ्य, हर साल गर्भपात से होने वाली मौतों की वास्तविकताओं ने उन सभी विकासों के खिलाफ कड़ा प्रहार किया है। जैसा कि स्वामी विवेकानंद के शब्दों में, 'जब तक महिलाओं की स्थिति में सुधार नहीं होगा, तब तक दुनिया के कल्याण के बारे में सोचना असंभव है। एक पक्षी के लिए केवल एक पंख पर उड़ना असंभव है।'

हिजाब पर बवाल: बहुआयामी निहितार्थ

–राम पुनियानी–

हिजाब के मुद्दे पर शुरू हुए विवाद ने गंभीर और चिंताजनक स्वरूप अख्तियार कर लिया है। कर्नाटक के उडुपी जिले के एक कालेज ने लड़कियों को हिजाब पहनकर कक्षा में प्रवेश देने से इंकार कर दिया. उसके बाद कालेज ने हिजाबधारी महिला विद्यार्थियों का कालेज के मुख्य द्वार के अंदर आना भी प्रतिबंधित कर दिया। हम सब ने वह शर्मनाक नजारा भी देखा जब भगवा साफे और शाल पहने हिन्दू धर्म के स्वनियुक्त पहरेदारों ने हिजाब पहने एक अकेली लड़की मुस्कान का रास्ता रोका और आक्रामक ढंग से 'जय श्रीराम' के नारे लगाए. मुस्कान ने इसका जवाब 'अल्लाहू अकबर' से दिया और अपना एसाइनमेंट जमा करने के बाद ही वह कालेज से गई। मुस्लिम लड़कियों ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसने एक अंतरिम आदेश जारी कर कालेजों और स्कूलों में हिजाब और भगवा शाल पहनना प्रतिबंधित कर दिया।

इसके बाद कई महिला अधिकार संगठनों व अन्यों ने लड़कियों के हिजाब पहनने के अधिकार की जोरदार हिमायत की और दक्षिणपंथी तत्वों को लताड़ लगाई। इस घटनाक्रम से पूरे देश में साम्प्रदायिक तत्वों को बल मिला और विघटनकारी ताकतों को एक नया हथियार. सोशल मीडिया पर हिजाब पहनने वाली लड़कियों और महिलाओं के संबंध में अपमानजनक टिप्पणियां की जा रही हैं।

जो कुछ हो रहा है उससे आक्रामक हिन्दुत्ववादी समूह बहुत प्रसन्न है. उन्हें उनका एजेंडा आगे बढ़ाने का एक सुनहरा मौका मिल गया है. यह भी साफ है कि मुस्लिम समुदाय को आतंकित करने के लिए वे किस हद तक जा सकते हैं. जिन लोगों ने सुल्ली डील्स और बुल्ली बाई जैसे मोबाईल एप बनाए थे और जो धर्मसंसदों में कही गई बातों से इत्तेफाक रखते हैं, उनकी भी प्रसन्नता का पारावार नहीं है। वे जानते हैं कि हिजाब मुद्दे से देश में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण बढ़ेगा. मोहन भागवत का यह कहना कि वे धर्मसंसद में कही गई बातों से सहमत नहीं हैं केवल जनता की आंखों में धूल झोंकना है. आरएसएस के इन्द्रेश कुमार, जो राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के पथप्रदर्शक हैं, ने यह कहकर मुस्कान की निंदा की है कि उसने शांति भंग करने का प्रयास किया।

हमने यह भी देखा है कि देश के कई इलाकों में सार्वजनिक स्थलों पर नमाज अदा करने का विरोध किया जा रहा है. हालात यहां तक बिगड़ गए हैं कि नरसंहार विशेषज्ञ गेगरी स्टेनटन ने चेतावनी दी है कि नरसंहार के मामले में 1 से 10 अंकों के स्केल पर भारत 8वें अंक पर है. इसके पहले देश पर नागरिकता संशोधन अधिनियम और एनआरसी लादे गए जिससे ऐसा वातावरण बना मानों मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने का प्रयास किया जा रहा है. दिल्ली दंगों में मुस्लिम युवकों को निशाना बनाया गया और यही सीएए के खिलाफ हुए आंदोलनों के मामले में भी हुआ. यह सब अत्यंत निंदनीय है।

हमें कुछ मुद्दों पर सावधान रहने की जरूरत है. हिन्दू दक्षिणपंथियों को मुस्लिम साम्प्रदायिकता और अतिवाद से बढ़ावा मिलता है. क्या हिजाब मुद्दे पर छिड़े विवाद में मुस्लिम साम्प्रदायिक ताकतों की भागीदारी है? इस सिलसिले में हमें पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया की विद्यार्थी शाखा कैम्पस फ्रंट ऑफ इंडिया की गतिविधियों को भी ध्यान में रखना होगा. यह संगठन केरल में प्रोफेसर जोसफ पर हमले के पीछे था. यह समझना मुश्किल है कि एक लंबे समय से चली आ रही वह व्यवस्था, जिसके अंतर्गत मुस्लिम लड़कियां स्कूल पहुंचने तक हिजाब पहने रहती थीं और कक्षा में जाने पर उसे उतार देती थीं, को बदलने की भला क्या जरूरत पड़ गई? एक ओर से नारे लगाए जा रहे हैं कि 'हिजाब पहनना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है' तो दूसरी ओर से कहा जा रहा है कि 'देश शरिया के आधार पर नहीं चल सकता'। हिजाब पूरी दुनिया में बहस का विषय रहा है. जब फ्रांस में सार्वजनिक स्थानों पर हिजाब पहनने को प्रतिबंधित किया गया तब इसका जबरदस्त विरोध हुआ परंतु सरकोजी अपने निर्णय पर दृढ़ रहे. कई मुस्लिम–बहुल देशों में भी सार्वजनिक स्थलों पर हिजाब प्रतिबंधित है. इनमें शामिल हैं कोसोवो (सन् 2008 से), अजरबैजान (2010), टयूनिशिया (1981, यद्यपि 2001 में इसे आंशिक रूप से उठा लिया गया) व तुर्की. सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने घोषणा की है कि मुस्लिम महिलाओं के लिए पूरे शरीर को ढंकने वाला अबाया पहनना अनिवार्य नहीं है. इंडोनेशिया, मलेशिया, ब्रुनेई, मालदीव और सोमालिया में भी यह अनिवार्य नहीं है. अलबत्ता ईरान, अफगानिस्तान एवं इंडोनेशिया के आचेह प्रांत में महिलाओं के लिए सार्वजनिक स्थानों पर अबाया पहनना कानूनन आवश्यक है।

भारत में स्थिति कहीं जटिल है. देश में बुर्के और हिजाब का प्रचलन काफी पहले से था परंतु बाबरी मस्जिद के ध्वंस के बाद इसके प्रयोग में तेजी से वशद्धि हुई। वैश्विक स्तर पर खाड़ी क्षेत्र के तेल संसाधनों पर कब्जा जमाने के अमरीका के अभियान और उससे जनित 'इस्लामिक आतंकवाद' की संकल्पना ने मुसलमानों में असुरक्षा के भाव को बढ़ाया।

बुर्के और हिजाब के प्रचलन में बढ़ोत्तरी का एक कारण भारतीयों का खाड़ी के देशों में रोजगार के लिए जाना भी है। जिस समय भारतीय काफी बड़ी संख्या में खाड़ी के देशों में जाया करते थे उस समय वहां बुर्का और हिजाब अनिवार्य था. जब ये लोग भारत लौटे तो अपने साथ हिजाब और बुर्के की अनिवार्यता का विचार भी ले आए. इन दिनों कई मुस्लिम अभिभावक लड़कियों को बचपन से ही हिजाब/बुर्का पहनाते हैं. इससे उन्हें इसकी आदत पड़ जाती है. उन्हें यह भी लगता है कि ऐसा करके वे अपने परिवार और समुदाय की भावनाओं का सम्मान कर रही हैं।

अगर कोई महिला अपनी मर्जी से हिजाब पहनना चाहती है तो उसकी इच्छा का सम्मान किया जाना चाहिए. परंतु समस्या यह है यदि पांच वर्ष की आयु से किसी लड़की को हिजाब पहनाया जायेगा तो वह उसकी 'इच्छा' बन जायेगा. इस्लाम के कुछ अध्येताओं का मत है कि कुरान के अनुसार, लड़कियों के लिए किशोरावस्था में कदम रखने के बाद से हिजाब पहनना जरूरी है. असगर अली इंजीनियर और जीनत शौकत अली जैसे इस्लाम के जानकारों के अनुसार कुरान में नकाब और बुर्के का कहीं जिक्र ही नहीं है. हाँ, उसमें हिजाब (सात स्थानों पर) का जिक्र अवश्य है परन्तु उसका इस्तेमाल आड़ के तौर पर किया जाना है, गर्दन और चेहरे को ढंकने के लिए नहीं. हिजाब की तरह के वस्त्र कई समुदायों में इस्तेमाल होते हैं. ईसाई ननें, यहूदी और अन्य कई समुदायों की स्त्रियाँ हिजाब से मिलते–जुलते वस्त्र का प्रयोग करतीं हैं. भारत में भी एक समय घूंघट का व्यापक प्रचलन था यद्यपि समय के साथ इसमें तेजी से कमी आई है।

दरअसल, घूंघट, हिजाब इत्यादि के मूल में महिलाओं के शरीर पर नियंत्रण करने की पितृसत्तात्मक प्रवृत्ति है। रूपकुंवर के सती हो जाने के बाद, भाजपा की तत्कालीन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजयाराजे सिंधिया के नेतृत्व में संसद के सामने प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों का नारा था कि सती होना हिन्दू महिलाओं का अधिकार है! इस दौर में हिजाब जैसे मुद्दों पर विवाद खड़ा करना मुस्लिम लड़कियों के शिक्षा प्राप्त करने के प्रयासों को कमजोर करना है. इससे शिक्षा के जरिये उनके सशक्तिकरण में बाधा आएगी. मुस्लिम समुदाय इस मुद्दे पर जिस तरह की प्रतिक्रिया दे रहा है वह उसमें व्याप्त असुरक्षा के भाव का नतीजा है. अगर अदालत हिजाब के पक्ष में फैसला सुनाती है तो इससे मुस्लिम महिलाओं के शिक्षा हासिल करने की प्रक्रिया कमजोर होगी। हिन्दू दक्षिणपंथी अत्यंत शक्तिशाली हैं. मुस्लिम दक्षिणपंथी, लोगों को भड़का कर हिन्दू दक्षिणपंथियों को मजबूत कर रहे हैं. इससे असल नुकसान मुस्लिम लड़कियों और मुस्लिम समुदाय का होगा. क्या हम इसे रोक सकते हैं?

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया)

कांग्रेस के लिए बेहद महत्वपूर्ण पांच राज्यों का चुनाव, जनाधार में हो सकती है बढ़ोत्तरी

–रमेश सर्राफ धमोरा–

देश के पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया जारी है। इन पांच राज्यों में से उत्तर प्रदेश को छोड़कर बाकी चार राज्यों में कांग्रेस पार्टी मुख्य चुनावी मुकाबले में है। फिलहाल पांच में से चार राज्यों में भाजपा व पंजाब में कांग्रेस पार्टी का शासन है। कांग्रेस पार्टी इन सभी पांच राज्यों में बेहतर प्रदर्शन करके अपने घटते जनाधार को रोक सकती है। पंजाब के साथ ही उत्तराखंड, गोवा व मणिपुर में कांग्रेस के फिर से सरकार बनाने की संभावनाएं बताई जा रही है।

2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने जहां भारी बहुमत से पंजाब में अपनी सरकार बनाई थी। वहीं गोवा व मणिपुर में सबसे बड़ी पार्टी बनने के बावजूद अपनी रणनीतिक चूक के चलते सरकार बनाने से रह गई थी। इस बार कांग्रेस पार्टी को अपने प्रभाव वाले प्रदेशों में पहले से ही ऐसी सुदृढ़ रणनीति बनानी होगी। जहां बहुमत के करीब होने पर अपनी सरकार का गठन कर सके। ना कि पिछली बार की तरह बहुमत के करीब होने के बावजूद सत्ता से दूर रह जाए।

2017 के विधानसभा चुनाव के चुनावी नतीजों का विश्लेषण करें तो गोवा में कांग्रेस पार्टी ने 40 में से 36 सीटों पर चुनाव लड़कर 17 सीटें जीती थी। वहां कांग्रेस को दो लाख 59 हजार 758 वोट यानि 28.4 प्रतिशत वोट मिले थे। जबकि वहां भाजपा मात्र 13 सीटों पर ही जीत पाई थी। उसके उपरांत भी कांग्रेस के प्रभारी महासचिव दिग्विजय सिंह की ढिलाई के चलते सत्ता के नजदीक पहुंच कर भी कांग्रेस सरकार बनाने से चूक गई थी। इस बार गोवा में कांग्रेस ने गोवा फारवर्ड पार्टी से चुनावी गठबंधन कर चुनाव लड़ा है।

हालांकि गोवा में कांग्रेस को कई दिग्गज नेताओं के पार्टी छोड़ने से झटके भी लगे हैं। चार बार मुख्यमंत्री व 50 साल तक विधायक रह चुके प्रतापसिंह राणे इस बार पर्ये विधानसभा सीट पर कांग्रेस टिकट मिलने के बावजूद भाजपा से अपनी पुत्रवधू डॉ दिव्या रानी के उम्मीदवार बनने पर उन्होंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। इससे कांग्रेस को बैकफुट पर आना पड़ा। जबकि कांग्रेस इस बार गोवा में अपनी पार्टी की सरकार बनाने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रही है।

उत्तराखंड में भी कांग्रेस सरकार बनाने के प्रति काफी आशान्वित हैं। इससे वहां भी अभी से मुख्यमंत्री पद के दावेदारो में खींचतान शुरू हो गई है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 70 में से मात्र 11 सीटें ही जीत सकी थी। उस वक्त कांग्रेस के मुख्यमंत्री हरीश रावत हरिद्वार ग्रामीण व किच्छा दोनों विधानसभा सीटों से चुनाव हार गए थे। 2017 में कांग्रेस को 16 लाख 65 हजार 64 यानी 33.5 प्रतिशत मत मिले थे। पिछले विधानसभा चुनाव से पूर्व उत्तराखंड कांग्रेस के कई बड़े नेता भाजपा में शामिल हो गए थे। जिससे कांग्रेसी को काफी नुकसान उठाना पड़ा था। इस बार भी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे किशोर उपाध्याय व महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सविता आर्य भाजपा में शामिल हो गई है। उसकी भरपाई के लिए कांग्रेस ने यशपाल आर्य व उनके पुत्र संजीव आर्य को भाजपा छोड़कर फिर से कांग्रेस में शामिल करवा लिया था।

मणिपुर में 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 60 में से 28 सीटें जीती थी। वहीं भाजपा ने मात्री 21 सीटें जीती थी। मगर कांग्रेस के नेताओं की कमजोरी के चलते वहां भाजपा की सरकार बन गई थी। उस चुनाव में कांग्रेस को 35.10 प्रतिशत वोट मिले थे। मणिपुर में सरकार बनाने को लेकर कांग्रेसी इस बार पूरी सतर्क नजर आ रही है। कांग्रेस इस बार मणिपुर में सरकार बनाने का कोई भी अवसर छोड़ना नहीं चाह रही है। क्योंकि पूर्वोत्तर में कभी कांग्रेस का एकछत्र राज होता था। मगर आज वहां के सभी आठों प्रदेशों में कांग्रेस सत्ता से बाहर है। इसलिए मणिपुर के रास्ते कांग्रेस एक बार फिर पूर्वोत्तर में अपना वर्चस्व स्थापित करने का पूरा प्रयास कर रही है।

कांग्रेस के लिए इस बार पंजाब में बड़ी संघर्षपूर्ण स्थिति हो रही है। 2017 में कांग्रेस ने 117 में से 77 सीटें जीती थी तथा 38.50 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। उस वक्त कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस के एक छात्र नेता होते थे। मगर अब पंजाब में कांग्रेस की स्थिति एकदम से बदल गई है। कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस से बाहर होकर भाजपा के साथ गठबंधन कर अपनी अलग पार्टी बना कर उससे चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के नेतश्त्व में चुनाव लड़ रही है। पंजाब में कांग्रेस को अरविंद केजरीवाल की आप पार्टी, अकाली दल बादल व भाजपा, कैप्टन अमरिंदर सिंह की पंजाब लोग कांग्रेस व सुखबीर सिंह ढींडसा के संयुक्त अकाली दल के गठबंधन के साथ चतुष्कोणीय मुकाबला करना पड़ रहा है। अपने सबसे मजबूत प्रदेश पंजाब में कांग्रेस को कड़ा संघर्ष करना पड़ रहा है। यदि पंजाब कांग्रेस के नेता एकजुट होकर मैदान में उतरते हैं तो कांग्रेस के लिए फिर से सरकार बनाने की संभावना बन सकती है।

देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश में कांग्रेस अपनी उपस्थिति बनाए रखने की लड़ाई लड़ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर 114 सीटों पर चुनाव लड़ा था। मगर महज 7 सीटें ही जीत पाई थी। उस चुनाव में कांग्रेस को 54 लाख 16 हजार 540 यानी 6.25 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी काफी लंबे समय से उत्तर प्रदेश में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए काम कर रही हैं। उसी के चलते इस बार कांग्रेस अकेले ही अपने दम पर चुनाव मैदान में उतरी है। कांग्रेस ने बड़ी संख्या में महिलाओं, अल्पसंख्यकों को भी टिकट दिया है। यदि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस कुछ बड़ा कर पाने में सफल रहती है तो पूरे देश में कांग्रेस के लिए अच्छी संभावनाएं बनने के आसार हो जाएंगे। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के प्रदर्शन पर प्रियंका गांधी की भी राजनीति का भविष्य टिका हुआ है। क्योंकि प्रियंका गांधी ने अपना पूरा फोकस उत्तर प्रदेश पर ही कर रखा है।

पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव में कुल 690 विधानसभा सीटें हैं। जिनमें कांग्रेस ने पिछली बार 140 सीटें जीती थी। वहीं 2019 के लोकसभा चुनाव में इन पांच राज्यों की 102 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस ने पंजाब में 8 उत्तर प्रदेश व गोवा में एक–एक सीटें जीती थी। पिछले विधानसभा व लोकसभा चुनाव में इन पांच राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन ज्यादा अच्छा नहीं रहा था। मगर इस बार के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस करो या मरो की नीति पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस पार्टी का पूरा वर्चस्व इन पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव पर ही टिका हुआ है।

यदि कांग्रेस पार्टी इस बार के चुनाव में पहले से अच्छा प्रदर्शन कर दिखाती है तो कांग्रेस के लिए पूरे देश में संभावनाओं के द्वार खुल सकते हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह के जाने के बाद कांग्रेस को पंजाब में कुछ बड़ा कर दिखाना होगा। तभी पार्टी छोड़कर जा रहे नेताओं के पलायन पर रोक लग सकेगी व कांग्रेस फिर से मुख्यधारा में शामिल हो पाएगी। इन पांच राज्यों के चुनाव कांग्रेस के लिये किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं हैं। जिसमें चूकने का मतलब है सब कुछ समाप्त हो जाना। ऐसे में चुनाव जीतने के लिये पार्टी के नेताओं को पूरा दम लगा कर काम करना होगा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

मथुरा में छात्रा ने भागवताचार्य और उसके एक साथी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया

मथुरा (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद के वश्न्दावन में एक आश्रम में रहकर नर्सिंग की पढ़ाई कर रही छात्रा ने काशी विद्वत परिषद के पश्चिम भारत के प्रभारी भागवताचार्य कार्ष्िण नागेंद्र महाराज तथा उनके एक साथी देवेंद्र शुक्ला के खिलाफ दुष्कर्म, मारपीट तथा जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता ने पुलिस द्वारा कार्यवाही ना करने का आरोप लगाते हुए 21 फरवरी को पुलिस कार्यालय में आत्मदाह करने की धमकी दी थी, जिसके बाद यह मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि छात्रा ने वश्न्दावन के मोतीझील के निवासी भागवताचार्य कार्ष्िण नागेंद्र महाराज तथा उनके साथी एवं प्रॉपर्टी डीलर देवेंद्र शुक्ला के खिलाफ दुष्कर्म, मारपीट तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पानीगांव थाना में मामला दर्ज कराया है। पुलिस उपाधीक्षक (सदर) ने पीड़िता का बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। छात्रा ने अपनी शिकायत में कहा कि करीब चार साल पहले पानीगांव के निवासी पुष्पेंद्र शुक्ला के साथ उसके प्रेम संबंध थे। 20 मार्च 2018 को वह प्रेमी पुष्पेंद्र के घर पर थी, जब पुष्पेंद्र के पिता देवेंद्र शुक्ला वहां आए और पुष्पेंद्र को मारपीट कर वहां से भगा दिया। इसके बाद उसे धमकाते हुए उसके साथा दुष्कर्म किया। उसने इस कृत्य की तस्वीरें भी खींच लीं और उसे वायरल करने की धमकी देकर कई बार उसके साथ बलात्कार किया। पीड़िता ने बताया कि इसके बाद देवेंद्र नौकरी दिलाने का झांसा देकर वह उसे भागवताचार्य कार्ष्िण महाराज के पास ले गया। महाराज ने छात्रा को सात जुलाई 2020 को अपने मोतीझील स्थित उनके आवास पर बुलाया और उसके साथ बलात्कार कर घटना का वीडियो बना लिया। इसके बाद, कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि 15 फरवरी को वश्न्दावन कोतवाली में उसने दोनों के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज करने के बजाय आरोपियों के साथ मिलकर पीड़िता का वह मोबाइल भी कब्जे में ले लिया, जिसमें उन दोनों के खिलाफ सबूत थे। पुलिस उपाधीक्षक (सदर) प्रवीण मलिक ने बताया कि छात्रा की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। वहीं, कार्ष्िण नागेंद्र महाराज ने सभी अरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उन्हें फंसाया जा रहा है। निष्पक्ष जांच से सच्चाई सामने आ जाएगी।

प्रेमी युगल को गोलियों से भूना, युवती की मौत, युवक की हालत गंभीर

शाहजहांपुर,। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में 'ऑनर किलिंग' का सनसनीखेज मामला सामने आया है। प्रेम प्रसंग के चलते प्रेमी और प्रेमिका को गोली मार दी गयी। अपने ही भाइयों की गोली लगने से प्रेमिका की मौके पर ही मौत हो गई जबकि प्रेमी की हालत नाजुक बनी हुई है। उसे स्थानीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक एस आनन्द घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुंचे। पुलिस के अनुसार यह वारदात थाना जलालाबाद क्षेत्र के ककराह गांव की है। इस गांव के निवासी 22 वर्षीय सनोज का अपने ही पड़ोस की लड़की के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। बताया जा रहा है कि शनिवार की रात युवती घर से गायब हो गई थी। उसके घर वालों को शक था कि युवती सनोज से मिलने गई है। सोमवार की शाम को युवती के भाई राजीव, सुशील, मुलायम और नरसिंह ने पिता हाकिम के साथ मिलकर प्रेमी युगल को एक साथ पकड़कर गोली मार दी। सिर में गोली लगने से प्रीति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि सनोज के पेट और कनपटी में गोली लगी है। इस दौरान ईंट से भी सनोज

का सर कुचला गया। भाइयों द्वारा चलाई गई गोली से लड़की के पिता हाकिम के पैर में भी गोली लगी है। दोनों को मरा हुआ समझकर आरोपी घर से फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई इस ऑनर किलिंग की घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सोनू को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। जबकि लड़की के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। गांव में तनाव की स्थिति देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अधीक्षक एस आनन्द ने घटनास्थल का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। फिलहाल पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सीआरपीएफ के जवानों को चुनावी ड्यूटी पर ले जा रही बस पलटी

सीतापुर,। उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव के दौरान केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को चुनाव ड्यूटी पर ले जा रही एक बस के पलट जाने से उसमें सवार 18 जवान घायल हो गये हैं। पुलिस के अनुसार सीतापुर जिले के हरगांव रेलवे क्रासिंग ओवरब्रिज के पास यह घटना सोमवार देर रात उस समय हुयी जब सीआरपीएफ के जवानों को चुनावी ड्यूटी पर लेकर लखीमपुर जा रही बस गन्ना लादकर ले जा रहे ट्रैक्टर ट्राली को ओवरटेक करते समय बस पलट गयी। इसमें बस में सवार 18 जवान चोटिल हो गये। इनमें 08 जवान गंभीर रूप से घायल हो गये। इन्हें लखीमपुर रेफर किया गया है। सीतापुर के अपर पुलिस अधीक्षक राजीव दीक्षित सहित हरगांव के थाना प्रभारी निरीक्षण बश्जेश त्रिपाठी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गये।

टी-20 में कानपुर शहर के ए पी सिंह व रामजी तिवारी होंगे स्कोरर

अवध की आवाज ब्यूरो

टी–20 में कानपुर शहर के ए पी सिंह व रामजी तिवारी होंगे स्कोरर कानपुर। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेई इकाना स्टेडियम में 24 फरवरी को होने वाले भारत व श्रीलंका के बीच मुकाबले में शहर के ए पी सिंह ऑफिशियल स्कोरर रामजी तिवारी मीडिया स्कोरर होंगे। ए पी सिंह ग्वालटोली व रामजी तिवारी लाल बंगला निवासी है। इससे पूर्व यह लोग प्रथम श्रेणी के मैचों में अहम भूमिका निभा चुके हैंस ए पी सिंह ऑनलाइन स्कोरिंग करेंगे उनके साथ प्रयागराज के अखिलेश त्रिपाठी मैनुअल स्कोरिंग करेंगे। इसके साथ ही लखनऊ के विकास पांडे को डकवर्थ लुईस मैनेजर नियुक्त किया गया है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश एसोसिएशन के क्रिकेट ऑपरेटिंग ऑफिसर दीपक शर्मा ने दी।

मतदान दिवस को व मतदान दिवस से एक दिन पूर्व किसी भी प्रकार का राजनीतिक विज्ञापन प्रकाशित कराने की अनुमति लेना होगा अनिवार्य– जिला निर्वाचन अधिकारी

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। गोंडा जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ0 उज्ज्वल कुमार ने बताया कि विधान सभा सामान्य निर्वाचन 2022 मतदान दिवस से एक दिन पूर्व एवं मतदान दिवस को प्रिन्ट मीडिया से संबंधित प्री–सर्टिफिकेशन राजनीतिक विज्ञापन से संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0 द्वारा विस्तृत दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। उन्होंने बताया कि जनपद गोण्डा में विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 पांचवें चरण में दिनांक 27 फरवरी 2022 को होना है, ऐसी स्थिति में दिनांक 26 एवं 27 फरवरी 2022 की तिथियों में कोई भी राजनीतिक विज्ञापन प्रकाशित कराया जाता है तो मीडिया प्रमाणन एवं मॉनिटरिंग समिति (एम0सी0एम0सी0) की पूर्व में अनुमति लेना अनिवार्य होगा अन्यथा की दशा में आदर्श आचार संहिता उल्लंघन में सख्त कार्यवाही की जायेगी।

मां गायत्री मंगला देवी महाविद्यालय मोतीगंज गोंडा में एनसीसी कैडेट्स द्वारा कराया गया मतदाता जागरूकता रैली

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। मां गायत्री मंगला देवी महाविद्यालय मोतीगंज में मंगलवार को एनसीसी कैडेट्स द्वारा मतदाता जागरूकता रैली महाविद्यालय के प्रशासक अनिल कुमार पांडे व डॉ जगन्नाथ प्रसाद तिवारी, दुर्गेश शुक्ला के मार्गदर्शन में रैली निकाली गई। एनसीसी कैडेट्स व महाविद्यालय के प्रशासक अनिल कुमार पांडे जी ने लोगों से बताया कि आप लोग आम जनमानस भय मुक्त होकर ,, निर्भय होकर के अपने मताधिकार का प्रयोग करें किसी प्रकार का दबाव व परेशानी में ना होकर निर्भरता पूर्वक भयमुक्त माहौल में मतदान करिए क्योंकि आपका आपके एक मत का बहुत बड़ा महत्व है। इस प्रकार से महाविद्यालय के प्रशासक ने आगे लोगों को बताया कि आपके द्वारा चुने गए लोगों से ही भारत का उचित मार्ग प्रशस्त होता है इसलिए अपने मत का प्रयोग आप लोगों निर्भय होकर करे। इस प्रकार से जिसको अपने मत का उपयोग करना चाहते हैं उसे आप कर सकते हैं क्योंकि एक यही हम आपका अधिकार है जो हम आप पर निर्भर करता है इसलिए आप सभी लोग निर्भय होकर के अपने मताधिकार का प्रयोग करें और भारत के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें इस प्रकार से इस अवसर पर मां गायत्री मंगला देवी महाविद्यालय मोतीगंज में एनसीसी कैडेट द्वारा मतदाता जागरूकता रैली में महाविद्यालय के प्रशासक अनिल कुमार पांडे, सी टी ओ डॉव जगन्नाथ प्रसाद तिवारी, दुर्गेश शुक्ला व महाविद्यालय के सभी स्टाफ मौजूद रहे।

जाति जनगणना के समर्थन में उतरे अखिलेश यादव, कहा- आबादी के हिसाब से मिले हक, भाजपा को बताया डरपोक

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए चौथे चरण की वोटिंग से एक दिन पहले सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने एक बार फिर जाति जनगणना का समर्थन किया है और उसी के आधार पर सभी को आरक्षण और अन्य सुविधाएं देने की वकालत भी की है.अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी के साथ जो छोटी–छोटी पार्टियां हैं वो जातिगत जनगणना चाहती हैं, वो चाहती हैं कि आरक्षण खत्म न हो. वो चाहते हैं कि आबादी के हिसाब से हक और सम्मान मिले लेकिन बीजेपी को इससे डर लगता है. अखिलेश ने आगे कहा कि ये जितने क्षेत्रीय दल हमारे साथ आए हैं, इनमें दलित हैं, अम्बेडकरवादी हैं, समाजवादी हैं, ये सभी जाति जनगणना चाहते हैं। अखिलेश यादव ने पीएम मोदी के 'साइकिल और बम' वाले बयान पर पलटवार किया. अखिलेश यादव ने पीएम मोदी के बयान से जुड़ी खबर और उनके एक पुराने ट्वीट का स्क्रीनशॉट ट्विटर पर साझा किया है। इस ट्वीट में पीएम मोदी नीदरलैंड के प्रधानमंत्री का साइकिल के लिए शुक्रिया कह रहे हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को हरदोई की रैली में कहा था, 'जितने भी धमाके हुए सब समाजवादी पार्टी के चुनाव निशान साइकिल पर रखकर किये गये और मैं हैरान हूं कि उन्होंने (आतंकियों) साइकिल को क्यों पसंद किया, 2006 में काशी में बम धमाका हुआ था, संकट मोचन मंदिर में धमाका किया गया, कैंट रेलवे स्टेशन पर हमला किया गया और तब यूपी में समाजवादी पार्टी की सरकार थी। अहमदाबाद धमाके में अदालत के फैसले का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'अभी दो दिन पहले ही अहमदाबाद बम धमाके के दोषियों को सजा सुनाई गई है और अनेक आतंकवादियों को फांसी की सजा मिली है. आज मैं विशेष तौर पर इसका जिक्र इसलिए कर रहा हूं क्योंकि कुछ राजनीतिक दल ऐसे ही आतंकवादियों के प्रति मेहरबान रहे हैं और ये राजनीतिक दल वोट बैंक के स्वार्थ में आतंकवाद को लेकर नरमी बरतते रहे हैं। एक निजी समाचार चौनल से बातचीत में अखिलेश ने कहा कि बीजेपी का कोई नेता क्या जाति जनगणना कराएगा. क्या जाति जनगणना के आंकड़े जनगणना के सामने आएंगे? ये सभी छोटे दल जाति के आधार पर जनगणना चाहती है, लेकिन बीजेपी जाति जनगणना क्यों नहीं चाहती है? ओबीसी जातियों के समीकरण की चर्चा करते हुए अखिलेश ने कहा कि अगर बीजेपी ओबीसी को साथ लेना चाहती है तो जाति जनगणना से पीछे क्यों हट रही है।

'औरंगजेब' पर क्या बोले

खुद को औरंगजेब कहे जाने पर अखिलेश ने कहा कि नेताजी दूर रहते हैं तो औरगंजेब कहते हैं, प्रचार करते हैं तो सवाल पूछते हैं कि उन्हें लाने की क्या जरुरत पड़ गई. अखिलेश ने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश आगे कैसे बढ़ेगा. इस पर काम कर रहे हैं। अपने शासन काल में हम अधिकारियों ह्यूस्टन भेजे, सिंगापुर भेजे फिर यूपी के लिए उत्कृष्ट पुलिस रिस्पॉन्स सिस्टम दिया। लेकिन इस सरकार ने सब खराब कर दिया. इसलिए हम कह रहे हैं कि नई हवा है। नई सपा है. उन्होंने कहा कि अगर लोग कुछ बदलाव चाहते हैं, हमारा कोई ऐसा सपना जो पूरा नहीं हो पाया है तो हम उसके लिए काम करेंगे, इसलिए हमनें नई सपा, नई हवा का नारा दिया है. अखिलेश ने कहा कि हम दुनिया का सबसे अच्छा एक्सप्रेसवे बना रहे थे। फ्रांस के तर्ज पर यूपी में कृषि मंडी बना रहे थे। वर्ल्ड क्लास अस्पताल बना रहे थे।

यूपी की महिला ने प्रेमी से मिलने के लिए बच्चे को अगवा किया

बुलंदशहर, (वेब वार्ता)। एक महिला ने अपने प्रेमी के 6 वर्षीय भाई को अपने भतीजे की मदद से अगवा कर लिया। वह अपने प्रेमी से मिलना चाहती थी। पुलिस ने महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। 32 वर्षीय महिला ने अपहृत बच्चे को अपने पास रखा जबकि पुलिस छह दिनों से अधिक समय तक लड़के की तलाश करती रही। घटना की सूचना बुलंदशहर के छतरी थाना क्षेत्र के हिम्मतगढ़ी गांव में 15 फरवरी को हुई। जब बच्चा अपने घर के सामने खेलते समय अचानक गायब हो गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर लापता बच्चे की तलाश शुरू कर दी है। जांच के दौरान पता चला कि 20 वर्षीय हीरालाल के पड़ोस के गांव की पिंकी नाम की महिला से अवैध संबंध थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संतोष कुमार सिंह के मुताबिक हीरालाल नौकरी के सिलसिले में गुरुग्राम शिफ्ट हुआ था, जिसके चलते वह कुछ महीनों तक पिंकी से नहीं मिल पाया था। पिंकी ने अपने भतीजे लवकेश के साथ मिलकर अपने प्रेमी के छोटे भाई डोरीलाल के अपहरण की योजना बनाई, ताकि वह हीरालाल से मिल सके। 15 फरवरी को लवकेश ने बच्चे का अपहरण कर पिंकी को सौंप दिया। पिंकी ने बच्चे को अपने पास रखा और हीरालाल को फोन कर इसकी जानकारी दी। हालांकि हीरालाल ने अपने भाई की लोकेशन जानने के बाद भी इस बात को अपने परिवार और पुलिस से छिपा कर रखा। लेकिन, जब पुलिस ने हीरालाल और पिंकी के मोबाइल फोन का पता लगाया, तो वे उन्हें ट्रैक करने में सफल रहे और लड़के को बरामद कर लिया गया। इसके बाद महिला ने अपना जुर्म कबूल कर लिया, जिसके बाद पुलिस ने उसके भतीजे और प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।

देवरिया में बोले जेपी नड्डा, इस साल के बजट में पीएम मोदी देंगे 60 लाख नौकरियां

देवरिया। गोरखपुर–बस्ती मंडल में छठवें चरण के चुनाव (तीन मार्च) को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने दम लगाना शुरू कर दिया है। मंगलवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने देवरिया जिले के रूद्रपुर में जनता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पांच साल में उत्तर प्रदेश में 10 नए विश्वविद्यालय, 78 कॉलेज खुले, 28 इंजीनियरिंग कॉलेज खुले हैं। पहले यूपी में 15 मेडिकल कॉलेज थे, अब 59 मेडिकल कॉलेज हैं। ये किसी प्रदेश में सबसे ज्यादा मेडिकल कॉलेज हैं। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में 2 एम्स भी खुले हैं। उन्होंने कहा कि इस साल के बजट में पीएम मोदी ने युवाओं को 60 लाख नौकरियां एक वर्ष में देना तय किया है। 25 हजार किमी सड़क एक साल में बनेगी, 20 हजार करोड़ रुपये इस पर खर्च होगा। पीएम आवास योजना के तहत एक वर्ष में 80 लाख नए घर बनेंगे। 3. 80 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया जाएगा। सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश से माफियाराज समाप्त किया, गुंडाराज समाप्त किया और देशद्रोहियों को जेल में डाला। हमने तय किया है कि देवबंद , मेरठ, रामपुर, आजमगढ़, कानपुर और बहराइच में एंटी टेररिस्ट कमांडो सेंटर बनाएंगे।

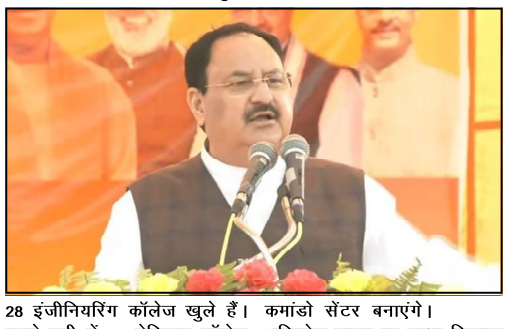

अखिलेश यादव पर साधा निशाना

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सपा शासन में उत्तर प्रदेश में माफिया–बाहुबली दन–दनाते थे। लेकिन अखिलेश ने आंखों में पट्टी बांध रखी थी। सीएम योगी के मुख्यमंत्री बनने के बाद माफिया–बाहुबली जेल में बंद हैं। अखिलेश के शासन में यूपी में करीब 200 दंगे हुए। पिछले 5 साल में यूपी में एक भी दंगा नहीं हुआ है। कहा कि अखिलेश के समय में मुजफ्फरनगर दंगा हुआ, 93 लोग मारे गए और पांच हजार लोग घर छोड़कर भाग गए थे। 60 परिवारों ने कैराना से पलायन किया। लेकिन आज सब वापस आकर फिर से बस गए हैं। फर्क साफ है– सोच ईमानदार है, नेता दमदार और काम असरदार है। अभी कुछ दिन पहले अहमदाबाद में हुए बम धमाकों के आरोपी 38 लोगों को सजा ए मौत हुई है। उनमें एक व्यक्ति है मोहम्मद सैफ, उसके पिताजी शादाब अहमद समाजवादी पार्टी के सदस्य हैं और अखिलेश के साथ गले से गला मिलाकर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि अभी चार दिन पहले अखिलेश ने पुलिस वालों को कहा कि ऐ पुलिस, ऐ पुलिस। ये पुलिस का मनोबल तोड़ रहे हैं और गुंडों का मनोबल बढ़ा रहे हैं। आपको इनका मनोबल तोड़ना है और उत्तर प्रदेश का मनोबल बढ़ाना है। पिछले साल दो लोग लखनऊ में आतंकी गतिविधि कर रहे थे। ये स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में बम धमाके की योजना बना रहे थे। लेकिन यूपी एसटीएफ ने उन लोगों को पकड़ लिया। उसके बाद अखिलेश ने कहा कि मैं इस पर विश्वास नहीं करता हूं। क्या ऐसे लोगों को आप लाना चाहेंगे?

पांचवें चरण में एसपी के सबसे ज्यादा ४२ दागी उम्मीदवार चुनाव मैदान में, बीजेपी के २२ और कांग्रेस के १७ उम्मीदवारों पर गंभीर मामले हैं दर्ज

लखनऊ,(वेब वार्ता)। 5वें चरण में समाजवादी पार्टी के सबसे ज्यादा आपराधिक मामले वाले उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं. वहीं बीजेपी (भाजपा) और कांग्रेस भी आपराधिक उम्मीदवारों की लिस्ट में पीछे नहीं हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से जारी किए गए विश्लेषण के आंकड़ों के मुताबिक समाजवादी पार्टी के 59 उम्मीदवारों में से लगभग 42 का आपराधिक रिकॉर्ड है. बीजेपी (भाजपा) की ओर से मैदान में उतारे गए 52 में से 25 उम्मीदवारों का आपराधिक रिकॉर्ड समान है. बसपा (बीएसपी) के 23 आपराधिक उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं. इसके अलावा कांग्रेस के भी 23 उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक केस दर्ज हैं. यूपी चुनाव के इस चरण में आप की ओर से चुनाव मैदान में उतारे गए 52 उम्मीदवारों में से दस का आपराधिक इतिहास भी है। बीजेपी के 22 और कांग्रेस के 17 उम्मीदवारों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की विश्लेषण रिपोर्ट के मुताबिक, प्रमुख दलों में समाजवादी पार्टी के 59 में से 29, अपना दल के 7 में से 2 प्रत्याशी, बीजेपी के 52 में से 22, बसपा के 61 में से 17, कांग्रेस के 61 में से 17 प्रत्याशी और आप के 52 में से 7 उम्मीदवारों ने अपने हलफनामे में अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं. 12 उम्मीदवारों ने महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े मामले घोषित किए हैं. 12 उम्मीदवारों में से 1 उम्मीदवार ने बलात्कार से संबंधित मामला (आईपीसी धारा–376) घोषित किया है। आठ उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ हत्या (आईपीसी धारा–302) से संबंधित मामले घोषित किए हैं और 31 उम्मीदवारों ने हत्या के प्रयास (आईपीसी धारा–307) से संबंधित मामले घोषित किए है। आपराधिक उम्मीदवारों की संख्या के आधार पर पांचवें चरण के 61 में से 39 निर्वाचन क्षेत्रों को रेड अलर्ट निर्वाचन क्षेत्र घोषित किया गया है. यह रिपोर्ट पांचवें चरण का चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के स्व–शपथ पत्रों के विश्लेषण पर आधारित है।

यूपी में पोल ड्यूटी पर तैनात सीआईएसएफ के 18 जवान हादसे में घायल

लखीमपुर खीरी, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में एक बस के पलट जाने से उसमें सवार 18 जवान घायल हो गए। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी है। ये हादसा सोमवार की रात हुआ। सीआईएसएफ अधिकारियों ने आगे बताया कि जिला प्रशासन द्वारा मुहैया कराई गई बस में 38 सुरक्षाकर्मी यात्रा कर रहे थे और वे बुधवार को अगले दौर के मतदान के लिए शिकोहाबाद से लखीमपुर खीरी जा रहे थे। 36 जवानों में से 18 को मामूली चोटें आई हैं। सीआईएसएफ ने कहा कि उन्हें लखीमपुर खीरी के स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि दोनों को आगे के इलाज के लिए आज सुबह लखनऊ भेजा गया है। ग्रह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी ने भी इस घटना की पुष्टि की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। उन्होंने ट्विटर पर कहा, बस दुर्घटना की खबर मिलीकृ मैंने स्थिति के बारे में जानने के लिए सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट से बात की, जो उनके साथ जा रहे थे और सभी घायल खतरे से बाहर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके इलाज की समुचित व्यवस्था की गई है और सीआईएसएफ के दो जवानों को बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर कर दिया गया है। यहां सीआईएसएफ मुख्यालय में अधिकारियों ने कहा कि वे सहायक कमांडेंट रवि राज के संपर्क में हैं। इस बीच, घायल जवानों को बदलने के लिए अतिरिक्त जवानों को लखीमपुर खीरी भेजा जा रहा है। उत्तर प्रदेश में चल रहे विधानसभा चुनाव के चौथे चरण का मतदान बुधवार को होगा, जिसमें लखीमपुर खीरी भी शामिल है, जिसमें पिछले साल 3 अक्टूबर को किसानों के विरोध के दौरान चार किसानों, दो भाजपा कार्यकर्ताओं और एक पत्रकार की हत्या के बाद भाजपा सरकार और गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ था। चौथे चरण में उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, बांदा और फतेहपुर जिले के 59 विधानसभा क्षेत्रों में 624 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास ने डॉ. अनिल कुमार मीणा को सौंपी राष्ट्रीय चेयरमैन की जिम्मेदारी

अवध की आवाज

लखनऊ। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री निवास ने राजस्थान के डॉ. अनिल कुमार कुमार मीणा को भारतीय युवा कांग्रेस में आरटीआई डिपार्टमेंट का राष्ट्रीय चेयरमैन की जिम्मेदारी सौंपी है। बताया जाता है कि डॉ. अनिल कुमार मीना को यह जिम्मेदारी संगठन के प्रति उनकी निष्ठा समर्पण एवं कठिन परिश्रम से प्रभावित होकर राहुल गांधी, श्रीनिवास एवं राष्ट्रीय प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने सौंपी हैद्य सूचना अधिकार अधिनियम 2005 जिसे कांग्रेस पार्टी लेकर आई थी। देश के लोगों के द्वारा चुनी हुई सरकार से सरकारी नीतियों एवं योजनाओं पर हुए खर्च की जानकारी जानने का अधिकार देती है। कांग्रेस पार्टी ने डॉ. अनिल कुमार मीणा को सरकार के द्वारा की गई लापरवाही एवं अनियमितताओं का पर्दाफाश करने के लिए राष्ट्रीय चेयरमैन की जिम्मेदारी दी हैद्य बताया जाता है कि डॉ. अनिल कुमार की राजनीतिक शुरुआत एसएनकेपी कॉलेज नीमकाथाना सीकर जिले

राजस्थान से हुई थी। नयावास गांव से फिर वह जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी दिल्ली में एनएसयूआई की तरफ से महासचिव के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा, लंबे समय तक जेएनयू एनएसयूआई यूनिट के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष रहते हुए उन्होंने कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व नेताओं का विश्वविद्यालय में भारत के ज्वलंत मुद्दों पर सार्वजनिक विचार विमर्श की संगोष्ठी आयोजित करते रहते थे। भाजपा सरकार के खिलाफ कई बड़े आंदोलन खड़े किएद्य संगठन को मजबूत करने की गतिविधियों को देखते हुए 2017 में डॉ. अनिल कुमार मीणा को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए राहुल गांधी जी के पास भेजा। 2019 में भारतीय युवा कांग्रेस सोशल मीडिया के राष्ट्रीय प्रभारी वैभव वालिया ने उन्हें दिल्ली प्रदेश सोशल मीडिया के कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी सौंपीद्य दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी एसटी डिपार्टमेंट के वाइस चेयरमैन रहे। 2020 में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास ने डॉ. अनिल मीणा को दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस रिसर्च विभाग का प्रभारी बनाया। राष्ट्रीय चेयरमैन बनाए जाने पर देश भर से कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की शुभकामनाओं का ताता लगा हुआ है। डॉ. अनिल कुमार मीणा ने बताया कि देशभर में विधानसभा जिला एवं राज्य स्तर पर आरटीआई डिपार्टमेंट को मजबूत जाएगा एवं तमाम पढ़े–लिखे अनुभवी व्यक्तियों को आरटीआई के माध्यम से संगठन में काम करने का मौका मिलेगा।

सोना हुआ महंगा, एक साल के हाई पर पहुंची कीमत

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। रूस द्वारा पूर्वी यूक्रेन में रूस समर्थित अलगाववादी क्षेत्रों डोनेत्स्क और लुहांस्क को अलग देश बनाए जाने आदेश के बाद यूक्रेन संकट बढ़ने से भारतीय बाजारों में आज सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। मंगलवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अप्रैल वायदा सोने का दाम 0.82 फीसदी चढ़ गया। वहीं मार्च वायदा चांदी की कीमत में 1.22 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। जियोपॉलिटिकल टेंशन बढ़ने के साथ सेफ–हेवन मेटल की मांग में बढ़ने से मंगलवार को ग्लोबल मार्केट में सोने का भाव 9 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया। ग्लोबल मार्केट में हाजिर सोने का भाव 0.2 फीसदी बढ़कर 1,909.54 डॉलर प्रति औंस हो गया। इससे पहले 1 जून के बाद सोने का उच्चतम स्तर है। 1 जून को सोने का दाम 1,913.89 डॉलर प्रति औंस था। अमेरिकी सोना वायदा 0.7 फीसदी बढ़कर 1,913.60 डॉलर पर पहुंच गया। सोने–चांदी का नया भावरू मंगलवार को एमसीएक्स पर अप्रैल वायदा सोने का दाम 409 रुपये या 0.82 फीसदी चढ़कर 50,487

रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। दूसरी ओर, मार्च वायदा चांदी की कीमतें 766 रुपये या 1.22 फीसदी 64,367 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर चांदी की कीमत 0.9 फीसदी बढ़कर 24 डॉलर प्रति औंस हो गई। जबकि प्लैटिनम 0.9 फीसदी बढ़कर 1,083. 68 डॉलर और पैलेडियम 0.8 फीसदी बढ़कर 2,406.24 डॉलर हो गया। अन्य कमोडिटीज में कच्चा तेल सात साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी। यूक्रेन संकट गहराने की वजह से सुरक्षित पनाहगाह की मांग से अमेरिकी बॉन्डों में तेजी आई। जबकि बुलियन को मुद्रास्फीति और जियोपॉलिटिकल रिस्क के खिलाफ बचाव माना जाता है, ब्याज दरों में बढ़ोतरी से नॉन–यील्डिंग बुलियन को रखने की अवसर लागत बढ़ जाती है। तनाव कम होने तक सोने में जारी रहेगी तेजीरू हालांकि, सेफ हेवन की बढ़ी हुई मांग और फेड की मौद्रिक सख्ती की बढ़ी हुई उम्मीदों के बीच अमेरिकी डॉलर इंडेक्स में रिकवरी हुई है। सोना नई ऊंचाइयों को छू कर रहा है जो मजबूत पॉजिटिव मोमेंट को दर्शाता है और कीमतों को समर्थन तब तक बना रह सकता है जब तक कि तनाव में कोई बड़ी कमी न हो। तक जा सकता है सोने का भावरू एक्सपर्ट्स का कहना है कि सोने में अभी तेजी के पूरी संभावना है क्योंकि महंगाई कंट्रोल नहीं हो पा रही है। हालांकि, समय समय पर प्रॉफिट बुकिंग होता रहेगा। इंटरनेशनल मार्केट में सोना करेक्शन के साथ अगले तीन–चार महीने में 2000 डॉलर के स्तर तक पहुंच सकता है। इस दौरान एमसीएक्स पर सोना 52 हजारी हो सकता है।

फार्महाउस में आलू–प्याज लगवा रहे हैं धर्मेन्द्र

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलीवुड के हीमैन धर्मेन्द्र इन दिनों अपने फार्म हाउस में आलू और प्याज लगवा रहे हैं। धर्मेंद्र सोशल मीडिया पर

बेहद एक्टिव रहते है। वह सोशल मीडिया पर अक्सर फैन्स के साथ कुछ न कुछ शेयर करते रहते हैं। इसी बीच उन्होंने एक बार फिर अपने लोनावला फॉर्महाउस का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो को शेयर कर धर्मेन्द्र ने लिखा, 'दोस्तों, कैसे हो? प्याज लगवा दिएकू आलू लगवा रहा हूं। शेयर किए वीडियो में वह अपने खेत को दिखा रहे हैं और वहां काम करने वाले से जानकारी ले रहे है। उन्होंने वीडियो में खेत का पूरा व्यू भी दिखाया है, जिसमें कई सारे मजदूर पौधे लगाने का काम कर रहे हैं। वे उन सभी को देखकर शाबादी भी दे रहे हैं।

दाइवा ने मेड इन इंडिया स्मार्ट टीवी की रेंज लॉन्च की

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। घरेलू उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक ब्रांड दाइवा ने सोमवार को भारतीय बाजार में क्लाउड टीवी द्वारा संचालित

दो एचडी रेडी स्मार्ट टीवी लॉन्च किए। 32 इंच के स्मार्ट टीवी की कीमत 11,990 रुपये और 12,490 रुपये है, जबकि 39 इंच के स्मार्ट टीवी की कीमत 17,990 रुपये और 18,490 रुपये है। दोनों टीवी लाइनें पैनल पर एक साल की अतिरिक्त वारंटी के साथ एक साल की वारंटी के साथ आती हैं। कंपनी एक बयान में बताया, नए स्मार्ट टीवी डिज्नी प्लस हॉटस्टार, जी5, सोनीलिव, सन एनएक्सटी आदि जैसे कई लोकप्रिय स्ट्रीमिंग ऐप के साथ आते हैं। उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने के लिए, सभी दाइवा स्मार्ट टीवी में आधिकारिक अमेजन प्राइम वीडियो ऐप होगा, जो ढेर सारी सुविधाएं प्रदान करेगा। टीवी नेटफ्लिक्स, यूट्यूब और अन्य सेवाओं के साथ–साथ ओटीए अपडेट को भी सपोर्ट करेगा। स्मार्ट टीवी एक नए स्मार्ट रिमोट के साथ आते हैं, जिसमें प्राइम वीडियो, डिज्नी प्लस हॉटस्टार, जी5 और मूवी बॉक्स के लिए समर्पित बटन हैं। क्लाउड टीवी वॉयस असिस्टेंस के साथ स्मार्ट टीवी इन–बिल्ट माइक के साथ वॉयस रिमोट के साथ आता है, जिससे यूजर्स अपनी आवाज से टीवी चला सकते हैं। ये टीवी सिनेमा मोड, ए प्लस ग्रेड पैनल, क्वांटम ल्यूमिनिट टेक्नोलॉजी और 16.7 मिलियन रंगों को सपोर्ट करते हैं। 32 इंच का स्मार्ट टीवी 20 वॉट स्टीरियो सराउंड स्पीकर के साथ आता है और 39 इंच स्मार्ट टीवी सराउंड साउंड बॉक्स स्पीकर के साथ आता है। टीवी 1 जीबी रैम और 8 जीबी रोम से लैस हैं और एंड्रॉइड 9.0 ऑपरेटिंग सिस्टम और ए–53 क्वाड कोर प्रोसेसर पर चलते हैं। कनेक्टिविटी विकल्पों में वाई–फाई, ईथरनेट और ऑप्टिकल आउटपुट के साथ दो एचडीएमआई और दो यूएसबी पोर्ट शामिल हैं।

घूमर में क्रिकेट कोच की भूमिका में नजर आयेंगे अभिषेक बच्चन

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन अपनी आने वाली फिल्म घूमर में क्रिकेट कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। अभिषेक बच्चन ने अपने जन्मदिन

05 फरवरी को अपनी आने वाली फिल्म घूमर की शूटिंग शुरू की है। फिल्म घूमर को आर बाल्की निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर की मुख्य भूमिका है। फिल्म घूमर में अभिषेक एक क्रिकेट कोच के रोल में नजर आएंगे। वहीं सैयामी एक क्रिकेट प्लेयर के किरदार में नजर आयेंगी। इसके पहले अभिषेक और सैयामी ब्रीद के सेंकड सीजन में साथ काम कर चुकें हैं। इस फिल्म में शबाना आजमी भी अहम किरदार में नजर आएंगी।

यूक्रेन की सम्प्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता पर स्पष्ट रूप से हमला किया गया है: ब्लिंकन

वाशिंगटन,(वेब वार्ता)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने तथाकथित डोनेट्स्क और लुहान्स्क पीपुल्स रिपब्लिक की 'स्वतंत्रता' को मान्यता देने के रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के फैसले की कड़ी निंदा की और कहा कि यह यूक्रेन की सम्प्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता पर स्पष्ट रूप से हमला है। पुतिन ने डोनेट्स्क और लुहान्स्क पीपुल्स रिपब्लिक'' को एक 'स्वतंत्र' देश के तौर पर मान्यता देने के आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। इस कदम की अमेरिका ने कड़ी निंदा की। अमेरिका ने कहा है कि यह फैसला मिंस्क समझौतों के तहत रूस की प्रतिबद्धता का पूर्ण रूप से उल्लंघन है और सीधे तौर पर कूटनीति के रास्ते पर चलने के रूस के दावे का खंडन करता है। ब्लिंकन ने कहा कि देशों का दायित्व है कि वे धमकी या बल के माध्यम से बनाए गए नए 'राज्य' को मान्यता न दें, साथ ही किसी अन्य देशों की सीमाओं को नहीं बदलने का दायित्व भी है। उन्होंने कहा कि रूस का निर्णय राष्ट्रपति पुतिन के अंतरराष्ट्रीय कानून और मानदंडों के प्रति अनादर का एक और उदाहरण है। ब्लिंकन ने एक बयान में कहा, ''हम राष्ट्रपति पुतिन के तथाकथित ''डोनेट्स्क और लुहान्स्क पीपुल्स रिपब्लिक'' की 'स्वतंत्रता' को मान्यता देने के फैसले की कड़ी निंदा करते हैं। जैसा कि हमने ड्यूमा के पहली बार अनुरोध करने पर कहा था, यह निर्णय मिंस्क समझौतों के तहत रूस की प्रतिबद्धताओं का पूर्ण रूप से उल्लंघन है, सीधे तौर पर कूटनीति के रास्ते पर चलने की रूस की प्रतिबद्धता का खंडन करता है और यूक्रेन की सम्प्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता पर एक स्पष्ट हमला है। उन्होंने बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जो यूक्रेन के तथाकथित ''डोनेट्स्क और लुहान्स्क पीपुल्स रिपब्लिक'' क्षेत्र में या वहां से अमेरिकी लोगों के सभी नए निवेश, व्यापार और वित्तपोषण को प्रतिबंधित करेगा। इस बीच, पूर्वी यूक्रेन में रूस समर्थित अलगाववादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के कुछ घंटे बाद पुतिन ने रूसी बलों को पूर्वी यूक्रेन के अलगाववादी क्षेत्रों में शांति बनाए रखने का आदेश दिया है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन सौंप मंडी खोले जाने की मांग की

सोहिल खान अवध की आवाज

इटावा।उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने नवीन मंडी परिसर को खोले जाने को लेकर जिलाधिकारी

को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष संतोष सिंह चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ.ए.के. शर्मा, प्रदेश संगठन मंत्री शिव कुमार सिंह चौहान,युवा प्रदेश संगठन मंत्री अब्दुल जब्बार राईन, महामंत्री शैलेश जैन,सुनीत चौहान, जिला उपाध्यक्ष गोरखनाथ वर्मा,युवा जिला महामंत्री रिंकू यादव, युवा नगर अध्यक्ष अजय गुप्ता,महिला नगर अध्यक्ष सुनीता कुशवाह, मधु तोमर,नगर महामंत्री रमेश यादव, कोषाध्यक्ष दीपचंद जैन, अभिषेक कुमार,मंडी अध्यक्ष राजकुमार कुशवाहा,फल मंडी अध्यक्ष मोहम्मद मुबीन, कल्लू,विनोद यादव, आशीष दुबे, राजीव मिश्रा, सतीश यादव, सुरेश कुशवाहा व दलवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के चौथे चरण का मतदान बुधवार को, कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा लगी है दांव पर

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के तहत नौ जिलों की 59 सीटों पर बुधवार को मतदान होगा। चौथे चरण के लिए चुनाव प्रचार का दौर सोमवार की शाम समाप्त हो गया। विधानसभा चुनाव के चौथे चरण में आगामी 23 फरवरी को पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, बांदा और फतेहपुर जिलों की कुल 59 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा। इस चरण में कुल 624 उम्मीदवार मैदान में हैं। वर्ष 2017 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में इन 59 में से 51 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। इसके अलावा सपा को चार, बसपा को तीन और भाजपा के सहयोगी अपना दल–सोनेलाल को एक सीट मिली थी। चौथे चरण के पहले तीन चरणों मे सपा गठबंधन को जोरदार समर्थन प्राप्त होने का दावा करते हुए कहा कि इस बार चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक पराजय होगी। बसपा अध्यक्ष मायावती ने भी कई रैलियां करके जनता से सपा, भाजपा और कांग्रेस को सत्ता से दूर रखने की अपील की और कहा कि प्रदेश की जनता को असली सुशासन सिर्फ बसपा दे सकती है। कांग्रेस महासचिव और पार्टी की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा ने जगह–जगह रोड शो और सभाएं कर पार्टी प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे और मतदाताओं से अपील की कि वे धर्म और जाति के आधार पर नहीं बल्कि बुनियादी मुद्दों पर ही वोट दें। तिकोनिया गांव में पिछले साल तीन अक्टूबर को हुई हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत के मामले को लेकर सुर्खियों में आए लखीमपुर खीरी में भी चौथे चरण में ही मतदान होगा। चौथे चरण में जिन प्रमुख उम्मीदवारों की प्रतिष्ठा दांव पर है उनमें प्रदेश के कानून मंत्री बश्जेश पाठक (लखनऊ कैंट), मंत्री आशुतोष टंडन (लखनऊ पूर्वी) पूर्व मंत्री सपा प्रत्याशी अभिषेक मिश्रा (सरोजिनी नगर), उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष नितिन अग्रवाल (हरदोई) शामिल हैं। इसके अलावा नेहरू–गांधी परिवार का 'गढ़' माने जाने वाले रायबरेली में भी चौथे चरण में मतदान होगा। यहां कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई आदिती सिंह एक बार फिर मैदान में हैं। मतदान सुबह सात बजे शुरू होकर शाम छह बजे तक चलेगा।

दलित विरोधी हैं भाजपा, सपा और कांग्रेस–मायावती

बहराइच (वेब वार्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने भाजपा, सपा और कांग्रेस को दलितों और पिछड़ों की विरोधी करार देते हुए मंगलवार को दावा किया कि इन तीनों ही पार्टियों ने समाज के दबे–कुचले वर्गों के उत्थान के लिए कोई काम नहीं किया। मायावती ने पयागपुर में देवीपाटन मंडल के बसपा उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित एक चुनावी जनसभा को सम्बोधित किया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मायावती ने कहा कि कांग्रेस दलितों और आदिवासियों के हितों का सिर्फ नाटक करती रही है और अपनी गलत नीतियों के कारण कांग्रेस आज देश और कई राज्यों से सत्ता से बाहर हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने बाबा साहेब (भीमराव आंबेडकर) को भारत रत्न नहीं दिया, जबकि उनके मिशन को आगे बढ़ाने वाले कांशीराम के निधन पर राष्ट्रीय शोक करने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने मंडल आयोग की सिफारिशों को भी लागू नहीं किया था। समाजवादी पार्टी (सपा) पर कड़ा प्रहार करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''सपा की सरकार में दंगाइयों और गुंडों का बोलबाला रहा।

मैनपुरी की करहल विधानसभा में फिर से होगी वोटिंग, जिला प्रशासन ने पूरी की तैयारियां

मैनपुरी (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश की मैनपुरी जिले की करहल विधानसभा सीट के बूथ संख्या 266 पर दोबारा मतदान होगा। दरअल, थाना दन्नाहार के गांव जसवंत पुर के बूथ 266 पर एक युवक द्वारा खुद ही कई महिलाओं के लगातार वोट डालने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ। इसे लेकर भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री एसपी बघेल ने निवार्चन आयोग से शिकायत की थी। बूथ पर हुई गड़बड़ी को प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए मामले में जांच कराई गई तो तथ्य सही पाए गए। इसके बाद चुनाव आयोग ने बूथ संख्या 266 पर दोबारा मतदान कराने की अनुमति दी है। बता दें कि करहल विधानसभा सीट पर अखिलेश यादव और केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल चुनाव मैदान में है। अविनाश कृष्ण सिंह जिला निर्वाचन अधिकारी ने आयोग के निर्देश पर करहल विधानसभा सीट के बूथ 266 जसवंत पुर में बुधवार को सुबह सात बजे से पुनर्मतदान कराया जाएगा। इसके लिए सभी इंतजाम किए गए हैं, सुरक्षा का खास ख्याल रखा जाएगा। किसी को भी माहौल खराब करने की अनुमति नहीं होगी।

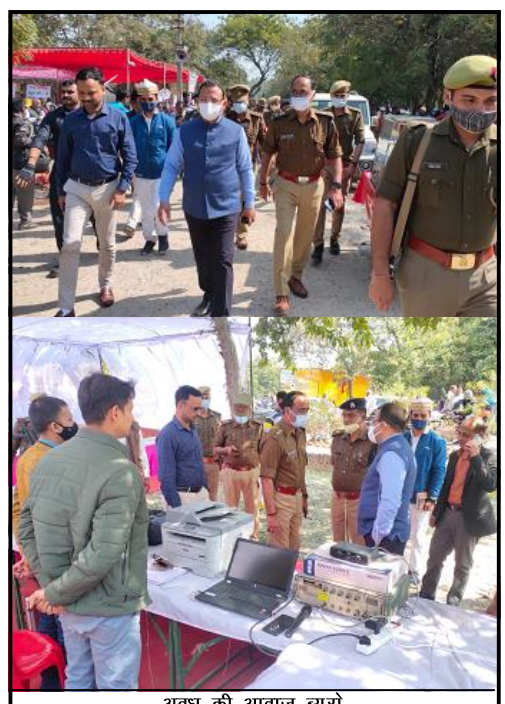

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 के चतुर्थ चरण में जनपद उन्नाव में होने वाले मतदान के संदर्भ में दिनांक 22.02.2022 को थाना कोतवाली सदर क्षेत्रांतर्गत दोस्ती नगर फायर स्टेशन में बने स्ट्रांग रूम से पोलिंग पार्टियों की रवानगी की जा रही है, जिसका निरीक्षण जिलाधिकारी उन्नाव, पुलिस अधीक्षक उन्नाव, मुख्य विकास अधिकारी उन्नाव व अपर पुलिस अधीक्षक उन्नाव द्वारा किया गया तथा संबन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।